# सेन्गोल को नए संसद भवन में स्थापित किया जाएगा

## प्रलिम्सि के लिये:

सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना, संसद, सेन्गोल, चोल साम्राज्य, भारत का गवर्नर-जनरल, केंद्रीय बजट 2022-23

## मेन्स के लिये:

सेन्गोल का ऐतिहासिक महत्त्व

## चर्चा में क्यों?

28 मई, 2023 को प्रधानमंत्री नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे, जो सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना का हिस्सा है।

- इस आयोजन का एक मुख्य आकर्षण **लोकसभा अध्यक्ष की सीट के समीप ऐतिहासिक स्वर्ण राजदंड "सेन्गोल" की स्थापना होगा, जिसे सेन्गोल कहा जाता है।**
- सेन्गोल भारत की स्वतंत्रता और संप्रभुता के साथ-साथ इसकी सांस्कृतिक विरासत **और विविधता का प्रतीक है।**

## सेन्गोल की ऐतिहासिक प्रासंगिकता:

- **सेनगोल,** तमिल शब्द **"सेम्मई"** से लिया गया है, इसका अर्थ है "नीतिपरायणता"। इसका निर्माण **स्वर्ण या चांदी से** किया जाता था तथा इसे कीमती पत्थरों से सजाया जाता था।
  - **सेन्गोल** जो कि राजसत्ता का प्रतीक था, **औपचारिक समारोहों के अवसर पर सम्राटों द्वारा ले जाया जाता था जो कि** उनकी राजसत्ता का प्रतिनिधित्व करता था।
- यह **दक्षिण भारत में सबसे लंबे समय तक शासन** करने वाले और **सबसे प्रभावशाली राजवंशों** में से एक चोल राजवंश **से जुड़ा है।**
  - चोलों ने 9वीं से 13वीं शताब्दी तक **तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा तथा श्रीलंका** के कुछ हिस्सों पर शासन किया।
  - **चोल राजवंश को इनके सैन्य कौशल, समुद्री व्यापार, प्रशासनिक दक्षता, सांस्कृतिक संरक्षण और मंदिर वास्तुकला** के लिये जाना जाता है।
- चोलों में **उत्तराधिकार और वैधता के निशान** के रूप में **एक राजा से दूसरे राजा को सेन्गोल राजदंड सौंपने की परंपरा** थी।
  - समारोह आमतौर पर **एक पुजारी या एक गुरु द्वारा** किया जाता था जो नए राजा को आशीर्वाद देता था और उसे सेन्गोल से सम्मानित करता था।

## भारत की आज़ादी के हिस्से के रूप में सेन्गोल:

- **वर्ष 1947 में ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले** तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से एक प्रश्न किया: **"ब्रिटिश से भारतीय हाथों में सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में किस समारोह का पालन किया जाना चाहिये?"**
  - प्रधानमंत्री नेहरू ने तब **सी. राजगोपालाचारी** से परामर्श किया जिन्हें आमतौर पर राजाजी के नाम से जाना जाता था जो भारत के अंतिम गवर्नर-जनरल बने।
    - राजाजी ने सुझाव दिया कि **सेन्गोल राजदंड सौंपने के चोल मॉडल को भारत की स्वतंत्रता के लिये एक उपयुक्त समारोह के** रूप में अपनाया जा सकता है।
    - उन्होंने कहा कि यह **भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के साथ-साथ विविधता में एकता** को भी दर्शाएगा।
  - **14 अगस्त, 1947 को थिरुवदुथुराई अधीनम (500 वर्ष पुराना शैव मठ) द्वारा प्रधानमंत्री नेहरू को सेन्गोल राजदंड भेंट** किया गया था।
- मद्रास (अब चेन्नई) के एक प्रसिद्ध जौहरी **वुम्मीदी बंगारू चेट्टी** द्वारा एक सुनहरा राजदंड तैयार किया गया था।
  - **नंदी** की **"न्याय" के दर्शक के रूप में अपनी** अदम्य दृष्टि के साथ शीर्ष पर हाथ से नक्काशी की गई है।

//

## सेन्गोल अभी कहाँ है और इसे नए संसद भवन में क्यों लगाया जा रहा है?

- वर्ष 1947 में **सेन्गोल राजदंड प्राप्त करने** के बाद नेहरू ने इसे कुछ समय के लिये दिल्ली में अपने आवास पर रखा।
  - इसके बाद उन्होंने अपने पैतृक घर **आनंद भवन संग्रहालय इलाहाबाद (अब प्रयागराज)** को दान करने का निर्णय लिया।
    - संग्रहालय की स्थापना उनके **पिता मोतीलाल नेहरू ने वर्ष 1930** में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास और विरासत को संरक्षित करने के लिये की थी।
  - **सेन्गोल राजदंड सात दशकों से अधिक समय तक आनंद भवन** संग्रहालय में रहा।
- वर्ष 2021-22 में जब **सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना** चल रही थी, तब **सरकार ने इस ऐतिहासिक घटना को पुनर्जीवित करने और नए संसद भवन में सेन्गोल राजदंड** स्थापित करने का निर्णय लिया।
  - इसे नए संसद भवन में स्पीकर की सीट के पास रखा जाएगा और इसके **साथ एक पट्टिका होगी जो इसके इतिहास** और अर्थ को बताएगी।
- नए संसद भवन में सेन्गोल की स्थापना सिर्फ एक **सांकेतिक प्रतीक ही नहीं बल्कि एक सार्थक** संदेश भी है।
  - यह दर्शाता है कि **भारत का लोकतंत्र अपनी प्राचीन परंपराओं एवं मान्यताओं में निहित है** तथा यह **समावेशी** है **और इसकी विविधता एवं बहुलता का सम्मान करता है।**

## सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना:

- **सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना** एक ऐसी परियोजना है जिसका उद्देश्य रायसीना हिल, नई दिल्ली के निकट स्थित भारत के केंद्रीय प्रशासनिक क्षेत्र सेंट्रल विस्टा का पुनरुद्धार करना है।
  - यह क्षेत्र मूल रूप से ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान **सर एडविन लुटियंस** तथा **सर हर्बर्ट बेकर** द्वारा डिज़ाइन किया गया और स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार द्वारा बनाए रखा गया था।
- **[केंद्रीय बजट 2022-23](#) में संसद के साथ-साथ भारत के सर्वोच्च न्यायालय सहित महत्त्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा परियोजना के गैर-आवासीय कार्यालय भवनों के निर्माण के लिये आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को** 2,600 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई थी।

**स्रोत: पी.आई.बी.**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sengol-to-be-installed-in-new-parliament-building